मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–021

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. एस. के. टी)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2024
एम.एस.के.-021 : संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान-परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। 10×10=100

1. भाषा की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए भाषा का अर्थ और उसके रूपों पर प्रकाश डालिए।

2. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित विज्ञान के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत पर विस्तृत रूप से लिखिये।

4. वैदिक साहित्य का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. वैदिक मन्त्रों एवं वेदोत्तर लौकिक संस्कृत साहित्य में वर्णित गणित विज्ञान पर विस्तृत रूप से लिखिये।

6. प्रमुख भौतिक सिद्धान्तों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

7. रसायन विज्ञान की भारतीय परम्परा का वर्णन कीजिए।

8. चिकित्सा विज्ञान का परिचय दीजिए। चिकित्सा विज्ञान के ग्रन्थों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

9. कृषि विज्ञान क्या है ? उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

10. पर्यावरण विज्ञान के सन्दर्भ में वेदों की प्रासङ्गिकता को स्पष्ट कीजिए।

11. मनोविज्ञान के प्रमुख आचार्यों पर प्रकाश डालिए।

12. भारतीय खगोलशास्त्रीय विद्वानों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

13. महाकाव्यों में वर्णित वास्तु एवं स्थापत्य कला का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

14. प्राचीन खगोल विज्ञान के सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए।

15. वैमानिक विज्ञान क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

16. वनस्पति विज्ञान का परिचय दीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com